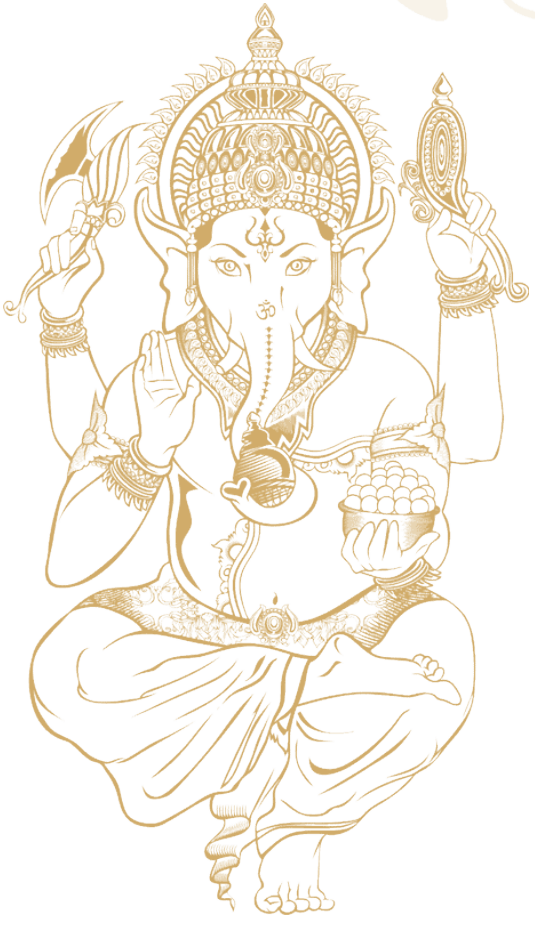

Yash Patidar

08 Aug 2022

04:40 PM

Banswara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121358906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/08/2022**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:40:00 घंटे**
इष्ट	26:27:27 घटी
स्थान	**Banswara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	23:32:00 उत्तर
रेखांश	74:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:41 घंटे
साम्पातिक काल	13:15:39 घंटे
सूर्योदय	06:05:01 घंटे
सूर्यास्त	19:10:05 घंटे
दिनमान	13:05:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:44:10 कर्क
लग्न के अंश	13:18:15 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:18:15	341:48:42	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	21:44:10	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			धनु	01:15:00	14:39:20	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	28:38:27	00:37:28	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	स्वराशि
बुध			सिंह	12:38:19	01:34:27	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	14:21:46	00:02:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	01:47:41	01:13:11	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	28:11:50	00:04:27	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	24:08:08	00:04:36	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:08:08	00:04:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			मेष	24:38:36	00:00:48	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	00:50:31	00:01:11	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	02:43:58	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	26:18:17	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:11

लग्न-चलित

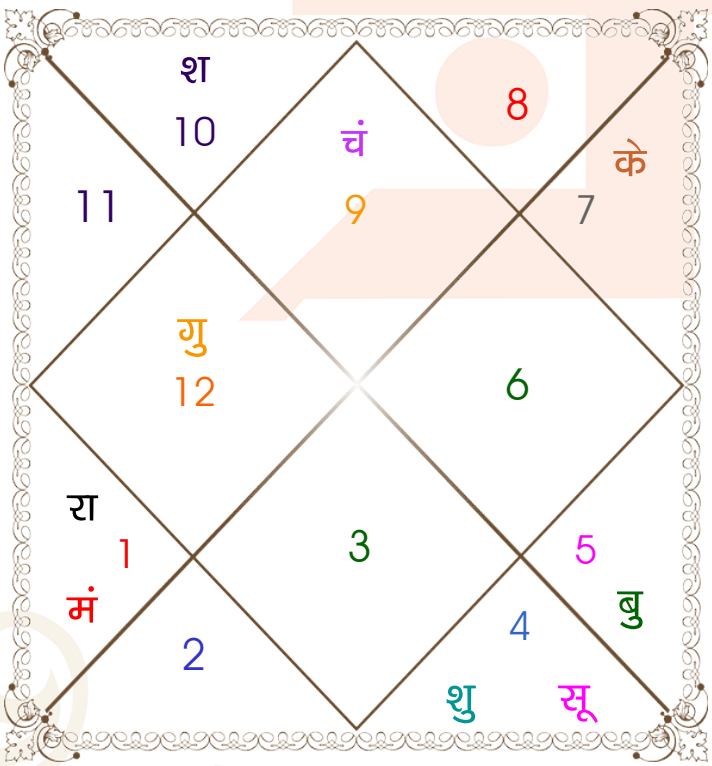

चन्द्र कुंडली

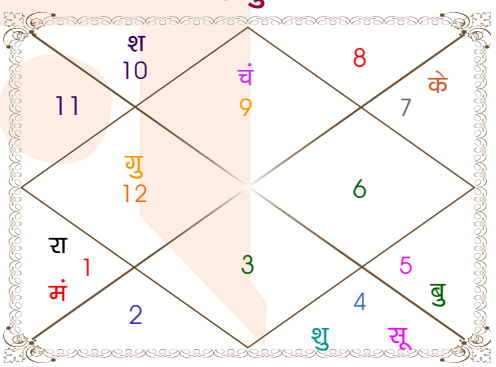

नवमांश कुंडली

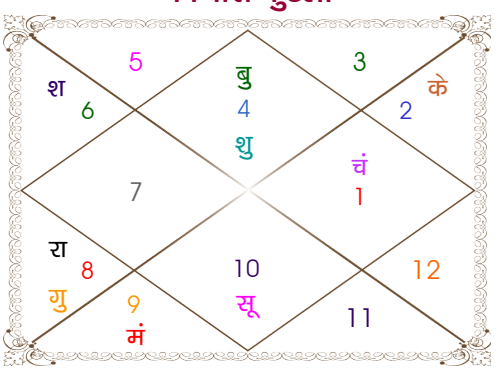

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 4 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/08/2022		11/12/2028		11/12/2048		12/12/2054		11/12/2064	
11/12/2028		11/12/2048		12/12/2054		11/12/2064		12/12/2071	
	08/08/2022	शुक्र	12/04/2032	सूर्य	31/03/2049	चंद्र	12/10/2055	मंगल	09/05/2065
शुक्र	10/07/2023	सूर्य	12/04/2033	चंद्र	29/09/2049	मंगल	12/05/2056	राहु	28/05/2066
सूर्य	15/11/2023	चंद्र	12/12/2034	मंगल	04/02/2050	राहु	11/11/2057	गुरु	04/05/2067
चंद्र	15/06/2024	मंगल	11/02/2036	राहु	30/12/2050	गुरु	13/03/2059	शनि	12/06/2068
मंगल	11/11/2024	राहु	11/02/2039	गुरु	18/10/2051	शनि	11/10/2060	बुध	09/06/2069
राहु	29/11/2025	गुरु	12/10/2041	शनि	29/09/2052	बुध	13/03/2062	केतु	05/11/2069
गुरु	05/11/2026	शनि	11/12/2044	बुध	06/08/2053	केतु	12/10/2062	शुक्र	05/01/2071
शनि	15/12/2027	बुध	12/10/2047	केतु	12/12/2053	शुक्र	12/06/2064	सूर्य	13/05/2071
बुध	11/12/2028	केतु	11/12/2048	शुक्र	12/12/2054	सूर्य	11/12/2064	चंद्र	12/12/2071

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/12/2071		12/12/2089		13/12/2105		12/12/2124		13/12/2141	
12/12/2089		13/12/2105		12/12/2124		13/12/2141		00/00/0000	
राहु	24/08/2074	गुरु	30/01/2092	शनि	15/12/2108	बुध	11/05/2127	केतु	11/05/2142
गुरु	17/01/2077	शनि	12/08/2094	बुध	25/08/2111	केतु	07/05/2128	शुक्र	09/08/2142
शनि	24/11/2079	बुध	17/11/2096	केतु	03/10/2112	शुक्र	08/03/2131		00/00/0000
बुध	12/06/2082	केतु	24/10/2097	शुक्र	04/12/2115	सूर्य	12/01/2132		00/00/0000
केतु	01/07/2083	शुक्र	25/06/2100	सूर्य	15/11/2116	चंद्र	13/06/2133		00/00/0000
शुक्र	30/06/2086	सूर्य	13/04/2101	चंद्र	16/06/2118	मंगल	10/06/2134		00/00/0000
सूर्य	25/05/2087	चंद्र	13/08/2102	मंगल	26/07/2119	राहु	27/12/2136		00/00/0000
चंद्र	23/11/2088	मंगल	20/07/2103	राहु	01/06/2122	गुरु	04/04/2139		00/00/0000
मंगल	12/12/2089	राहु	13/12/2105	गुरु	12/12/2124	शनि	13/12/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।